संख्या-6/2015/3139/60-2-14-2/3(23)/96

प्रेषक,

सुधा शुक्ला
उप सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

निदेशक,
बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार,
उ0प्र0, लखनऊ।

महिला एवं बाल विकास अनुभाग-2 लखनऊ : दिनांक 10 फरवरी, 2015

विषय : वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-49 के लेखाशीर्षक ""2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-102-बाल कल्याण-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-03-निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार" के मानक मद 14-मोटर गाडियों का क्रय में पुनर्विनियोजन के माध्यम से धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या-1029/बा0वि0परि0/नजारत/2014-15, दिनांक 26.12.2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-49 के अधीन लेखाशीर्षक ""2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-102-बाल कल्याण-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-03-निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार के मानक मद 14-मोटर गाडियों का क्रय" में रूपये 661 हजार (रूपये छः लाख इकसठ हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोजन के माध्यम से स्वीक़त कर निम्न शर्तों के अधीन व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण प्रतिमाह की आवश्यकतानुसार किया जायेगा। आहरित धनराशि को किसी भी दशा में पी0एल0ए0 खाते/बैंक/डाकघर में नहीं रखा जायेगा।

(2) स्वीकृति धनराशि का व्यय केवल विभाग की चालू योजनाओं पर ही, समय-समय पर भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा निर्धारित तत्सम्बन्धी मानकों/निर्देशों के अनुसार व्यय किया जायेगा और किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि से अधिक का व्यय नहीं किया जायेगा।

(3) उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी अन्य योजना/कार्यक्रम/मद/इकाई पर व्यय नहीं किया जायेगा। वाहन का क्रय डी.जी.एस. एण्ड डी. दर पर किया जायेगा।

(4) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष से सम्बन्धित सदुपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हुए भारत सरकार से नियमानुसार अपेक्षित केन्द्रांश की धनराशि समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जायेगा।

(5) प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत जनपदों को धनराशि आवंटित किये जाने से पूर्व यह सुनिश्चितकर लिया जायेगा कि इस हेतु पूर्व में आवंटित धनराशि को पूर्णतया व्यय कर लिया गया है।

(6) उक्त धनराशि का प्रदेशन (एलाटमेंट )मात्र ही किसी प्रकार का व्यय करने का अधिकार प्रदान नहीं करता है। अतः बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत

http://shasanadesh.up.nic.in/

नियमों तथा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी स्थायी आदेशों के अन्तर्गत जिन मदों पर व्यय करने के लिए सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व तत्सम्बन्धी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा इसे विहित प्रक्रिया एवं नियमों के अनुसार ही व्यय किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

(7) स्वीकृत धनराशि के आवंटन तथा व्यय के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-बी-1-795/दस-2014-231/2014, दिनांक 14 मार्च, 2014 एवं कार्यालय ज्ञाप संख्या-बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक 22.07.2014 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये ।

2. उक्त मद पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-49 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-102-बाल कल्याण-आयोजनागत-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-03-निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार के मानक मद 14-मोटर गाडियों का क्रय" के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रपृ के स्तम्भ-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षक के अन्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग कर वहन किया जायेगा।

ये आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या-200/दस/ई-3/2015, दिनांक 10 फरवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुधा शुक्ला)
उप सचिव

संख्या- 3139(1)/60-2-2014, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार लेखा प्रथम/आडिट प्रथम, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2. सचिव, भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
3. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/वित्त आय-व्ययक अनुभाग-1।
5. वित्त संसाधन केन्द्रीय सहायता अनुभाग।
6. आहरण एवं वितरण अधिकारी, निदेशालय, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, लखनऊ
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुधा शुक्ला)
उप सचिव

http://shasanadesh.up.nic.in/